ISSN 0973-2616

सीएसआईआर
CSIR
भारत का नवाचार इंजन
The Innovation Engine of India

NISCPR
सीएसआईआर–निस्पर

प्रगति, विकास और आशा
सीएसआईआर समाचार

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद का गृह बुलेटिन

वर्ष 11 अंक 7 www.csir.res.in जुलाई 2023

डॉ. जितेंद्र सिंह ने उधमपुर में सीएसआईआर-आईआईआईएम द्वारा आयोजित 2 दिवसीय 'स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव' का उद्घाटन किया

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी; एमओएस पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष, डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जिस स्टार्ट–अप आंदोलन को मजबूत किया गया है वो अब बी–टाउन समेत देश के हर कोने में पहुंच रहा है। जम्मू–कश्मीर के उधमपुर में हो रहा 2–दिवसीय ''यंग स्टार्टअप एक्स्पो' क्षेत्र में उद्योग के साथ–साथ उद्यमियों के लिए नए रास्ते तलाशने का अवसर प्रदान कर रहा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने उधमपुर में दो दिवसीय 'यंग स्टार्ट–अप एक्सपो' का उद्घाटन करते हुए ने यह बात कही।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के के सभी कार्यक्रमों में जम्मू और कश्मीर को हर चीज में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है, यही कारण है कि जम्मू–कश्मीर भारत में विकसित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ विकास के मामले में प्रतिस्पर्धा

कर रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, वर्ष 2023 कई कारणों से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वह वर्ष है जब भारत जी20 की अध्यक्षता प्राप्त करने में सक्षम रहा है, इस वर्ष को पीएम नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के कारण संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है जो दर्शाता है वर्तमान सरकार के राज में दुनिया में भारत का कद कैसे बढ़ा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत में स्टार्ट–अप पिछले 9 वर्षों में 300 गुना बढ़ गया है, 2014 से पहले लगभग 350 स्टार्ट–अप से, 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ स्टार्ट–अप ने 90,000 से अधिक की छलांग लगाई है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आगे कहा, भारत में युवाओं में प्रतिभा, क्षमता, इनोवेशन और रचनात्मकता की कोई कमी नहीं है, लेकिन उनके पास राजनीतिक नेतृत्व से अनुकूल वातावरण और उचित संरक्षण की कमी रही है जो उन्हें अब प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रदान की गई है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का फोकस न केवल रोजगार पैदा करना बल्कि उद्यमिता का निर्माण करना भी रहा है।

पीएम नरेन्द्र मोदी का मंत्र 'स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया' इस देश के युवाओं के लिए लाखों रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है।

युवा धीरे–धीरे सरकारी नौकरी की मानसिकता से बाहर आ रहे हैं और नए और संभावनाओं से भरे क्षेत्रों में अवसर पैदा करने के लिए तैयार हैं और बदले में नौकरी के अवसरों का निर्माण कर रहे हैं।

निदेशक सीएसआईआर–आईआईआईएम जम्मू, डॉ. जबीर अहमद ने उस समय को जिला उधमपुर के लिए ऐतिहासिक बताया, जिसे इस दो दिवसीय 'स्टार्ट–अप कॉन्क्लेव' के लिए चुना गया।

डॉ. जबीर ने जोर देकर कहा कि उधमपुर जिले और अन्य निकटतम जिलों के लोगों को, जो आर्थिक विकास के इंजन हैं, इस 'स्टार्ट–अप कॉन्क्लेव' का दौरा करना चाहिए ताकि उन्हें स्टार्ट–अप के लाभों के बारे में जानकारी हासिल हो सके।

स्टार्टअप कॉन्क्लेव में अध्यक्ष डीडीसी, उधमपुर, श्री लाल चंद; उपाध्यक्ष, डीडीसी, जूही मन्हास पठानिया; निदेशक, सीएसआईआर–आईआईआईएम, डॉ. जबीर अहमद; उपायुक्त, उधमपुर, श्री सचिन कुमार वैश्य; डीआईजी उधमपुर–रियासी रेंज, श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी; एसएसपी उधमपुर, डॉ. विनोद कुमार के अलावा बीडीसी, डीडीसी और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी शामिल थे।

सीएसआईआर- राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला द्वारा छात्र संगोष्ठी का संयुक्त आयोजन

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) जमशेदपुर चैप्टर द्वारा सीएसआईआर–राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल), टाटा स्टील लिमिटेड, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) जमशेदपुर और एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च (एसीएसआईआर) के सहयोग से मैटेरियल्स एंड मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय स्तर की छात्र संगोष्ठी के अंतर्गत दो दिवसीय टीचर्स डेस्क (बीटीटीडी–2023) का आयोजन 8–9 जून को किया गया।

संगोष्ठी का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. गौतम सूत्रधर, निदेशक, एनआईटी जमशेदपुर और विशिष्ट अतिथि

डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, निदेशक, एनएमएल, जमशेदपुर के साथ डॉ. संदीप घोष चौधरी, अध्यक्ष, बीटीटीडी प्रोग्राम, डॉ. ए.एन. भगत, अध्यक्ष, आईआईएम जमशेदपुर और डॉ. अम्मासी ए., संयोजक, BTTD–2023 के द्वारा सम्मेलन पुस्तिका के विमोचन के साथ हुआ।

संगोष्ठी का उद्देश्य उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और शिक्षाविदों के विशेषज्ञों के पूल के साथ बातचीत करने के लिए होनहार और इच्छुक धातुविदों हेतु एक सार्वजनिक मंच प्रदान करना था। इस आयोजन के छात्र प्रतिभागियों को अपने वर्तमान ज्ञानकोष को अपडेट करने और धातु विज्ञान और सामग्री प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों, नवीन विचारों और नए विचारों को साझा करने का अवसर मिला।

वर्ष 2011 में अपनी स्थापना के बाद से, सेमिनार बीटीटीडी'' भारत के छात्र समूह के बीच सबसे अधिक मांग वाले कार्यक्रमों में से एक बन गया है। डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, सीएसआईआर –एनएमएल, जमशेदपुर के निदेशक ने मुख्य अतिथि, प्रतिनिधियों और वक्ताओं का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि बीटीटीडी भारत में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट छात्रों के लिए एक अनूठा कार्यक्रम है और सामग्री विज्ञान और धातु विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले उन युवा पेशेवरों को भी समर्पित है, जो उन्हें अपने साथियों के साथ नेटवर्क बनाने और सीखने का मौका देता है।

एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रोफेसर गौतम सूत्रधर उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्र प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि धातुकर्म क्षेत्र के अग्रणी संस्थानों द्वारा आयोजित इस तरह के आयोजन निश्चित रूप से युवा दिमाग की रचनात्मकता को बढ़ाएंगे और पारस्परिक कौशल विकसित करने में भी मदद करेंगे। प्रो सूत्रधर ने कहा, यह जंक्शन छात्रों को अपने विचारों, कौशल को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करेगा और भविष्य के पाठ्यक्रम के लिए उनकी आधारशिला होगी। उन्होंने छात्रों को एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, फाउंड्री आधारित तकनीक को पुनर्जीवित करने और विनिर्माण प्रक्रियाओं में आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को शामिल करने पर अपने शोध पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया।

डॉ. ए.एन. भगत, अध्यक्ष, आईआईएम जमशेदपुर चैप्टर ने अपनी गतिविधियों और आईआईएम जमशेदपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

डॉ. भगत ने स्टील और ऑटोमोटिव क्षेत्र में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की वैश्विक चिंता के बारे में बात की और छात्रों से इसे दूर करने के लिए अध्ययन शुरू करने को कहा।

बीटीटीडी कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. संदीप घोष चौधरी ने बताया कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी देश के विभिन्न हिस्सों से 25 इंजीनियरिंग कॉलेजों/संस्थानों के लगभग 100 छात्र और वक्ताओं ने भाग लिया और लगभग 37 तकनीकी पेपर प्रस्तुतीकरण दिये और 23 ई–पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

सीएसआईआर-सीरी में ''एक सप्ताह - एक प्रयोगशाला'' कार्यक्रम का आयोजन

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एवं उपाध्यक्ष, सीएसआईआर, डॉ. जितेंद्र सिंह तथा सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. (श्रीमती) एन कलैसेल्वी के विचारों को मूर्तरूप देते हुए सीएसआईआर–केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर–सीरी) में दिनांक 15–19 मई 2023 के दौरान सीएसआईआर के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'एक सप्ताह

–एक प्रयोगशाला (वन वीक –वन लैब)' का आयोजन किया गया।

विदित ही है कि माननीय डॉ. जितेन्द्र सिंह जी ने सीएसआईआर स्थापना दिवस 2022 के अवसर पर नई दिल्ली में ''वन वीक –वन लैब'' नामक देशव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिसके अनुसार सीएसआईआर की सभी राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं अपनी शोध उपलब्धियों एवं गतिविधियों का व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए इस अभियान में अपना योगदान देंगी। संस्थान में सप्ताह पर्यन्त आयोजित किए गए इस कार्यक्रम के दौरान दिनांक 16 मई को सूक्ष्म तरंग प्रौद्योगिकियाँ, 17 मई को आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स व 18 मई को सेमिकंडक्टर मैटीरियल्स, डिवाइसेज एवं सिस्टम्स पर वैज्ञानिक कार्यशालाएं तथा दिनांक 19 मई को किसान मेला आयोजित किया गया। संस्थान में उपर्युक्त अवधि के दौरान कुल 08 समझौता ज्ञापन/प्रोटोटाइप हस्तांतरण अप्रकटीकरण समझौतों का आदान–प्रदान हुआ। इस संपूर्ण आयोजन में उद्योग और स्टार्ट–अप के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक–छात्र, शोधार्थी किसान एवं अन्य लोग सम्मिलित हुए। संस्थान में आयोजित 'सीएसआईआर के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम' का समन्वयन श्री प्रमोद तँवर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ 15 मई, 2023 को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिट्स–पिलानी के कुलपति प्रोफेसर वी रामगोपाल राव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएसआईआर–सीरी के पूर्व निदेशक एवं बिट्स– पिलानी में वरिष्ठ इमेरिटस प्रोफेसर डॉ. चंद्रशेखर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक

डॉ. पी सी पंचारिया ने की। यूट्यूब के माध्यम से इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। इस अवसर पर संस्थान सहकर्मियों के साथ–साथ प्रो. एस के बराई, निदेशक, बिट्स–पिलानी सहित स्थानीय शिक्षण संस्थाओं के अधिकारी एवं स्थानीय गणमान्यजन भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर वी रामगोपाल राव ने इस अवसर पर अपने संबोधन में निदेशक, सीएसआईआर–सीरी एवं संस्थान के सभी सहकर्मियों को इस कार्यक्रम के आयोजन की बधाई दी। उन्होंने देश की वैज्ञानिक एवं औद्योगिक प्रगति में सीरी और बिट्स के योगदान की चर्चा की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा सीरी और बिट्स में पिलानी को विश्व पटल पर स्थापित करने की क्षमता है और वे यह प्रयास करेंगे कि दोनों संस्थान मिल कर इस दिशा में कार्य करें। अपने संबोधन में उन्होंने बिट्स–पिलानी और सीएसआईआर–सीरी के ऐतिहासिक संबंधों को भी रेखांकित किया।

विशिष्ट अतिथि एवं संस्थान के पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर ने देश में सीएसआईआर–सीरी के योगदान एवं शोध उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि एक साथ कई प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण सुखद अनुभूति देने वाला है। उन्होंने कहा कि उद्योगों एवं सामान्य उपभोक्ताओं की जरूरतें पूरी करने के लिए उत्कृष्ट इंजीनियर या वैज्ञानिक होने के साथ–साथ नवाचारी होना भी जरूरी है। उन्होंने संस्थान के निदेशक डॉ. पंचारिया के नेतृत्व में वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए युवा वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे बदलती वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

इससे पूर्व अपने स्वागत संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया ने कहा कि केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एवं उपाध्यक्ष, सीएसआईआर, डॉ. जितेंद्र सिंह ने विगत वर्ष सीएसआईआर स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में ''वन वीक–वन लैब'' नामक देशव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिसके अंतर्गत देश भर में फैली सीएसआईआर की 37 प्रयोगशालाएं अपनी

विरासत, विशिष्ट वैज्ञानिक नवाचारों और प्रौद्योगिकी उपलब्धियों को हर सप्ताह प्रदर्शित कर रही हैं। अपने संबोधन में उन्होंने संस्थान द्वारा हाल ही में विकसित कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकियों एवं शोध गतिविधियों की जानकारी दी।

उद्घाटन सत्र में अतिथियों द्वारा संस्थान के नए लोगो एवं कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। पुस्तिका में संस्थान द्वारा विगत 70 वर्षों में अर्जित प्रमुख उपलबधियों का संक्षिप्त एवं सचित्र उल्लेख किया गया है। अतिथियों ने नए प्रतीक चिह्न (लोगो) एवं कॉफी टेबल बुक के रूप में प्रकाशित संस्थान के विगत 70 वर्षों के संक्षिप्त इतिहास के प्रकाशन की सराहना की।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा विकसित निम्नलिखित प्रौद्योगिकियों का उद्योगों को प्रौद्योगिकी/प्रोटोटाइप हस्तांतरण समझौता ज्ञापन/एनडीए का आदान–प्रदान किया गया :

1. आईओटी एनेबल्ड स्मार्ट वाच फॉर मॉनीटरिंग वाइटल हेल्थ पैरामीटर्स– मे. मेडिमाइनर्स इंडिया प्रा. लि., हैदराबाद
2. आईओटी एनेबल्ड कॉल्पोस्कोप फॉर प्री–स्टेज स्क्रीनिंग ऑफ सर्वाइकल कैंसर – मेसर्स डिवाइन मेडिटेक, नौएडा
3. इनके अलावा संस्थान ने मेसर्स पैनेशिया टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., बैंगलुरूय मेसर्स वी के इंडस्ट्रीज, पिलानी तथा एस के आई टी – जयपुर से समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान–प्रदान किया।
4. साथ ही, इस अवसर पर मेसर्स ड्रोनटेक, मुंबई से अप्रकटीकरण समझौते (एनडीए) का भी आदान–प्रदान किया गया।
5. थर्मिओनिक डिस्पेन्सर कैथोड के प्रोटोटाइप का हस्तांतरण – मेसर्स पैनेशिया टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., बैंगलुरू

कार्यक्रम के दौरान डॉ. पी सी पंचारिया ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा इस अवसर की गरिमा बढ़ाने के लिए अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। उद्घाटन सत्र के अंत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. राजेन्द्र कुमार वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डॉ मनिन्दर कौर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने किया।

एक सप्ताह–एक प्रयोगशाला कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। उद्घाटन सत्र के उपरांत अतिथियों ने प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का अवलोकन किया।

प्रोफेसर रामगोपाल राव एवं प्रोफेसर चंद्रशेखर ने डॉ. पंचारिया के नेतृत्व में संस्थान की वैज्ञानिक प्रगति की सराहना की। संस्थान के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया ने प्रोफेसर रामगोपाल राव, प्रोफेसर चंद्रशेखर एवं प्रोफेसर बराई को संस्थान की प्रमुख प्रयोगशालाओं एवं प्रीसीजन कृषि स्टेशन का परिदर्शन

कराया।

संस्थान की प्रयोगशालाओं एवं शोध गतिविधियों के अवलोकन के उपरांत प्रोफेसर रामगोपाल राव, प्रोफेसर चंद्रशेखर एवं प्रोफेसर बराई ने संस्थान के सटीक कृषि प्रायोगिक केंद्र में पौधारोपण भी किया।

इससे पूर्व दिनांक 12 मई, 2023 को मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर–सीरी ने इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधियों को वन वीक वन लैब कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और उन्होंने हित में सीएसआईआर के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के व्यापक प्रचार–प्रसार का अनुरोध किया।

वन वीक–वन लैब कार्यक्रम के दौरान दिनांक 16.05.2023 को सूक्ष्मतरंग प्रौद्योगिकियों पर वैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल एटमॉसफियरिक रिसर्च लैब, आंध्रप्रदेश के निदेशक डॉ. ए के पात्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एमटीआरडीसी के डॉ एस के दत्ता, वैज्ञानिक–एच उपस्थित थे। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के की–नोट व्याख्यानों के अलावा माइक्रोवेव ट्यूब्स प्रौद्योगिकी पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यशाला में संस्थान के वैज्ञानिकों, परियोजना कार्मिकों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर–सीरी के स्वागत संबोधन के साथ हुआ। अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने संस्थान के वन वीक वन लैब कार्यक्रम में प्रतिभागिता के लिए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने माइक्रोवेव ट्यूब्स क्षेत्र में संस्थान की शोध गतिविधियों की संक्षेप में चर्चा की।

इसके बाद कार्यशाला के संयोजक डॉ. एस के घोष, मुख्य वैज्ञानिक ने अपने व्याख्यान में संस्थान के माइक्रोवेव ट्यूब्स एरिया की शोध गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यशाला में दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के दौरान संस्थान के पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर को वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज एंड एप्लिकेशन' (VEDA) सोसाइटी द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

एकसप्ताह–एक प्रयोगशाला (वन वीक–वन लैब) कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 17.05.2023 आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स पर वैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी–जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी (पूर्व निदेशक, सीएसआईआर–सीरी) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.(श्रीमती) एन आनंदवल्ली, निदेशक, सीएसआईआर–एसईआरसी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया ने की। कार्यशाला में संस्थान के वैज्ञानिकों, परियोजना कार्मिकों एवं शोधार्थियों के साथ एआई एवं अन्य उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भी प्रतिभागिता की। कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर–सीरी के स्वागत संबोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने एआई को देश की प्रौद्योगिकी उन्नति का आधार बताते हुए अपने संस्मरण को साझा किए। उन्होंने कहा कि एक वैज्ञानिक के रूप में उन्होंने नब्बे के दशक में देश के चाय उद्योग के ऑटोमेशन तथा इलेक्ट्रॉनिक टंग (जिह्वा) के विकास में एआई का प्रयोग किया था।

इस अवसर पर प्रोफेसर शांतनु चौधुरी ने मुख्य अतिथीय संबोधन में देश में आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में एआई सभी प्रौद्योगिकियों में उपयोग की जा रही है। एआई के लिए उन्नत प्रोसेसर्स और वीएलएसआई की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने देश में चैट जीपीटी का उदाहरण दिया जो व्यापक

पैमाने पर एआई का उपयोग कर रहा है। सीएसआईआर के एआई मिशन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सीएसआईआर देश में एआई के क्षेत्र में मल्टीडिसीप्लिनरी और बहु–सांस्थानिक अनुसंधान एवं नवाचार का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है जिसमें सीरी की भूमिका निर्णायक एवं महत्वपूर्ण होगी।

विशिष्ट अतिथि डॉ. (श्रीमती) एन आनंदवल्ली ने अपने संबोधन में स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एआई के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों के साथ–साथ स्ट्रक्चरल एवं सिविल इंजीनियरिंग में भी एआई का अनुप्रयोग बढ़ रहा है।

प्रोफेसर शांतनु चौधुरी के मुख्य अतिथीय संबोधन के उपरांत संस्थान के पूर्व सहकर्मी एवं पेन्टर श्री सत्यनारायण वर्मा ने प्रोफेसर चौधुरी को उनका पेन स्केच भेंट किया।

कार्यशाला के अंत में कार्यशाला के संयोजक डॉ. संजय सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने सीएसआईआर में एआई मिशन की जानकारी दी तथा इसके अंतर्गत चल रही प्रमुख गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यशाला का संचालन सुश्री सोमशुक्ला माइति, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

एआई कार्यशाला के दौरान डॉ. बी ए बोत्रे एवं संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोकंट्रोलर को अगले चरण के परीक्षण के लिए मेसर्स अल्फासाइन प्रा. लि., लखनऊ को हस्तांतरित किया गया। यह इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर ई–ट्राइसाइकिल और ई–बाईसाइकिल में प्रयुक्त बीएलडीसी मोटर को चलाने के लिए उपयोग किया जाता है। मेसर्स अल्फासाइन के श्री पी आर अग्रवाल को इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोकंट्रोलर की पाँच यूनिट परीक्षण हेतु हस्तांतरित की गईं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के मेड इन इंडिया मिशन के अंतर्गत यह इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोकंट्रोलर संस्थान के वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कार्मिकों की टीम द्वारा सीएसआईआर–सीरी में ही तैयार किया गया है। ई–ट्राइक और ई–साइकिल के लिए परीक्षण की रिपोर्ट के उपरांत इसे व्यावसायिक उत्पादन के लिए उद्योगों को हस्तांरित किया जाएगा।

इस अवसर पर चेन्नै (तमिलनाडु) स्थित देश की सबसे बड़ी लेदर एक्सपोर्ट कंपनी मेसर्स के एच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्रा. लि. के साथ ए आई एनेबल्ड टेक्नोलॉजीज एंड सिस्टम्स के विकास हेतु नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेन्ट (एनडीए) का आदान प्रदान हुआ। एन डी ए पर संस्थान की ओर से टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस डेवलपमेन्ट ग्रुप के प्रमुख डॉ मनीष मैथ्यु एवं मेसर्स के एच एक्सपोर्ट्स इंडिया के श्री तनवीर ने हस्ताक्षर किए।

संस्थान में सप्ताहपर्यन्त आयोजित किए गए 'वन वीक–वन लैब' कार्यक्रम के अंतर्गत 18 मई, 2023 को 'सेमिकंडक्टर मैटीरियल्स, डिवाइसेज एंड सिस्टम्स' पर वैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिट्स–पिलानी के ग्रुप वाइस चांसलर प्रोफेसर वी रामगोपाल राव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएसआईआर– एनपीएल, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. वेणुगोपाल अचंता उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया ने की। कार्यशाला में संस्थान के वैज्ञानिकों, परियोजना कार्मिकों एवं शोधार्थियों के साथ विषय–विशेषज्ञों ने भी प्रतिभागिता की। इस अवसर पर देश में सेमिकंडक्टर टेक्नोलॉजी के आगमन की चर्चा करते हुए डॉ. पंचारिया ने सेमिकंडक्टर फैब्रिकेशन लैब के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा फैब्रिकेशन प्रयोगशालाओं की स्थापना से देश में क्रांतिकारी परिवर्तन होगा। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा शीघ्र ही जयपुर में गैलियम नाइट्राइड फैब्रिकेशन लैब तथा पिलानी में मेम्स फैब लैब की स्थापना की जाएगी। अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने संस्थान के 'वन वीक वन लैब' कार्यक्रम में प्रतिभागिता के लिए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का संचालन डॉ. विजय चटर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

वन वीक वन लैब कार्यक्रम के दौरान दिनांक 19 मई, 2023 को किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या

में स्थानीय किसानों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर सीएसआईआर की लखनऊ स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर–सीमैप के निदेशक एवं प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी मुख्य अतिथि तथा सीएसआईआर के संयुक्त सचिव (प्रशासन) श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता विशिष्ट अतिथि थे। इनके अलावा डॉ. (श्रीमती) ऋतु त्रिवेदी, विज्ञान भारती–राजस्थान के सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा, पर्यावरणविद डॉ अशोक कुमार आदि गणमान्य अतिथि भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प है और देश के वैज्ञानिक इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहता है कि हम अपने शोध कार्यों से वास्तविक रूप से किसानों को लाभान्वित करें और शोध कार्यों को शोधपत्र तक ही सीमित न रखें बल्कि उन्हें वास्तविक रूप से उपयोग करते हुए धरती पर उतारें।

अपने संबोधन में उन्होंने किसानों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि अब किसान भी तेजी से जागरूक हो रहे हैं और हमारे शोध कार्यों में सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आय बढ़ाने के लिए कृषि उपज में भी विविधता बहुत जरूरी है। उन्होंने किसानों से परंपरागत फसलों के स्थान पर औषधीय और सगंध (खुशबू वाले) पौधों की खेती की शुरुआत करने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव, सीएसआईआर ने इस कार्यक्रम को किसान मेला के साथ संपन्न

करने के विचार और इसे मूर्त रूप देने के लिए डॉ. पंचारिया और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें किसान मेले के माध्यम से अनुभवी और विशेषज्ञ व्याख्यानों से लाभान्वित करने के लिए आयोजक मंडल को भी साधुवाद दिया।

इस अवसर पर सीएसआईआर–सीमैप, लखनऊ के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने अपने रोचक और ज्ञानवर्धक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सभी किसानों को परंपरागत खेती और फसलों के स्थान पर अन्य लाभदायक औषधीय और सगंध (खुशबू वाले) पौधों की खेती के लाभों से अवगत कराया। उपस्थित किसानों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय प्रतिभागिता की और संवाद सत्र के दौरान प्रश्न पूछे। डॉ. संजय कुमार ने प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की और भविष्य में भी संपर्क करने पर सहयोग का आश्वासन दिया।

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया ने अपने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन में अतिथियों एवं उपस्थित किसानों को संस्थान द्वारा किसानों के लाभ के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। किसान मेले में आए किसानों और कृषि छात्र–छात्राओं को संस्थान द्वारा विकसित किए जा रहे प्रीसीजन कृषि अनुसंधान स्टेशन का भ्रमण कराया गया।

किसान मेला के संयोजक डॉ. मनीष मैथ्यु, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने अनुसंधान स्टेशन की गतिविधियों के संबंध में अतिथियों एवं किसानों को जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. त्रिवेदी, विशिष्ट अतिथि श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता सहित किसान मेले के प्रतिभागी किसानों ने संस्थान के प्रयासों की सराहना की। किसानों को प्रयोगस्वरूप जरूरी एवं जलवायु के अनुरूप फसलों के कुछ बीज भी वितरित किए गए। मेले में किसानों की जानकारी के लिए सिंचाई की विभिन्न पद्धतियों माइक्रो इरिगेशन, ड्रिप इरिगेशन सहित पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की जड़ी–बूटी और पौधों की नर्सरी एवं देसी बीज के कुछ स्टॉल भी लगाए गए थे।

डॉ. पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर–सीरी ने किसान मेले के आयोजन में सहयोग के लिए किसानों की संस्था 'चिड़ावा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी' के संस्थापक सदस्य और कृषि उद्यमी श्री मुकेश मांजू तथा 'कृषि एवं ग्रामीण विकास संस्थान, पिलानी' के सचिव डॉ. जयपाल सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

किसान मेला एवं समापन सत्र का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी (प्रमुख, मीडिया एवं जनसंपर्क यूनिट) ने अतिथियों का संक्षिप्त परिचय दिया।

अंत में प्रशासन नियंत्रक श्री जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए सभी अतिथियों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान से हुआ।

विज्ञान गांव की ओर कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण दिनांक 15 मई, 2023 को प्रातःकालीन सत्र में स्कूली छात्र–छात्राओं एवं महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें पसीएसआईआर–एनबीआरआई, लखनऊ के वैज्ञानिकों डॉ. श्वेता सिंह और डॉ. अनिल बत्रा ने प्रशिक्षार्थियों को पर्यावरण का महत्व बताते हुए उसके संरक्षण के बारे में बताया और फूल–पत्तियां एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों (वेस्ट मटीरियल्स) से बधाई कार्ड आदि बनाने की जानकारी दी।

एक सप्ताह–एक प्रयोगशाला (वन वीक–वन लैब) कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालयों/कॉलेजों के विद्यार्थियों एवं अन्य आगंतुकों को विज्ञान संग्रहालय एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के माध्यम से संस्थान के शोध कार्यक्रम एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई।

संस्थान में आयोजित किए गए एक सप्ताह–एक प्रयोगशाला (वन वीक–वन लैब) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 15 मई, 2023 को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें डेजर्ट चौपाटी, झुंझुनूं (राजस्थान) के कलाकारों ने अपने गीतों व राजस्थानी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से संस्थान के मुख्य सभागार में उपस्थित अतिथियों, सहकर्मियों एवं उनके परिजनों का मनोरंजन किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा पंचारिया ने कलाकारों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री चांदनी दीक्षित ने किया।

सीएसआईआर-आईएचबीटी पालमपुर, द्वारा मिजोरम के आदिवासी आबादी की आजीविका बढ़ाने के लिए कार्यक्रम

सीएसआईआर–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी (सीएसआईआर–आईएचबीटी), पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) मिजोरम के कुछ संभावित स्थानों में उच्च मूल्य वाली सुगंधित फसलों और सेब की कम द्रुतशीतन किस्मों की शुरुआत के माध्यम से कृषक समुदाय की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहा है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना को लागू करने के लिए, सीएसआईआर–आईएचबीटी ने बागवानी कॉलेज, थेनजोल, मिजोरम (केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर का एक घटक कॉलेज) और मिजोरम विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद (मिस्टिक) के साथ हाथ मिलाया है। सीएसआईआर–आईएचबीटी टीम ने 24–27 मई, 2023 को मिजोरम और कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, थेनजोल में विभिन्न स्थानों पर लगाए गए सुगंधित पौधों और सेब की कम द्रुतशीतन किस्मों के विकास की निगरानी के लिए मिजोरम का दौरा किया।

डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी, निदेशक, सीएसआईआर–आईएचबीटी, पालमपुर ने बताया कि संस्थान को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार द्वारा तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। मिजोरम उप परियोजना के जैव संसाधनों के विकास और सतत उपयोग पर अंतर–संस्थागत कार्यक्रम सहायता के तहत उन्होंने कहा कि सीएसआईआर–आईएचबीटी के पास शिताके और सीप मशरूम, उच्च मूल्य वाली सुगंधित फसलों और सेब की कम द्रुतशीतन किस्मों पर प्रासंगिक प्रौद्योगिकियां हैं।

मिजोरम साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन काउंसिल (MISTIC), आइजोल और कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, थेनजोल, मिजोरम (CAU मणिपुर) के सहयोगी संस्थानों के साथ पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में इन तकनीकों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

सीएसआईआर–आईएचबीटी टीम ने ईआर के साथ बैठक की। एच.लाल सावमलियाना मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, श्री डेवी लालरुतलियाना, वैज्ञानिक अधिकारी और डॉ. लालचंदामी तोछवांग, मिस्टिक, आइजोल, मिजोरम के वैज्ञानिक अधिकारी की टीम ने आकांक्षी जिले ममित के गांव ऐलावंग और जिले के हमुइफांग के किसानों को प्रशिक्षण दिया।

डॉ. डेवी ने बताया कि सीएसआईआर–आईएचबीटी द्वारा सेब परियोजनाओं के तहत 6400 लो चिलिंग सेब के पौधों की आपूर्ति की गई थी, जिन्हें पायलट पैमाने पर फरवरी, 2023 के दौरान जिला आइजोल, थेनजोल और आकांक्षी जिले ममित में लाभार्थी किसानों को वितरित किया गया है।

दौरा करने वाली टीम ने पौधों के विकास की निगरानी की और किसानों को सेब की खेती की तकनीक के लिए

प्रशिक्षित किया।

टीम ने देखा कि पौधों की जीवित रहने की दर अच्छी है और पौधे अच्छी तरह बढ़ रहे हैं।

डॉ. राकेश कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर–आईएचबीटी सह पीआई सेब और सुगंधित पौधों की परियोजनाएं और श्री मोहित शर्मा (रासायनिक इंजीनियर), सुगंधित पौधों की परियोजना के प्रधान वैज्ञानिक सह पीआई ने वैज्ञानिकों के साथ कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर थेनजोल, मिजोरम का दौरा किया।

उन्होंने वैज्ञानिकों और डीन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, थेनजोल के साथ बैठक भी की।

टीम ने मिस्टिक स्टाफ के साथ सेब के पौधों, सुगंधित पौधों जैसे लेमनग्रास, सिट्रोनेला और डैमास्क गुलाब की वृद्धि देखी।

डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि सुगंधित पौधों से प्राप्त आवश्यक तेल इत्र, स्वाद, दवा और कीटनाशक उद्योगों में उपयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेचा जाता है।

सुगंधित पौधों की कृषि और प्रक्रिया प्रौद्योगिकी पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम बागवानी कॉलेज, थेनजोल के वैज्ञानिकों और छात्रों, किसानों और बागवानी, थेनजोल, मिजोरम के कर्मचारियों को दिया गया।

26 मई, 2023 को प्रशिक्षुओं को लेमनग्रास से आवश्यक तेल निकालने का व्यावहारिक प्रदर्शन भी दिया गया।

इन प्रशिक्षणों में 60 से अधिक किसानों, बागवानी छात्रों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया। टीम ने परियोजना के तहत कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, थेनजोल के प्रदर्शन प्लॉट में लगाए गए सेब के पौधों के विकास की भी निगरानी की।

सुगंधित पौधों की बाजार क्षमता बहुत बड़ी है क्योंकि इनमें कीट विकर्षक गुणों, विरोधी भड़काऊ, एंटीफंगल और जीवाणुरोधी विशेषताओं के व्यापक उपयोग हैं, जो इसे कई अनुप्रयोगों में उपयोगी बनाते हैं जैसे स्टोर अनाज कीट कीटों का नियंत्रण, घाव भरने और उपचार एक्जिमा, डायपर रैश, सोरायसिस और त्वचा मरहम के लिए।

वर्तमान में, भारत में आवश्यक तेल की अधिकांश आवश्यकताएं चीन, इंडोनेशिया, तुर्की, फ्रांस, केन्या, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से आयात के माध्यम से पूरी की जाती हैं।

सीएफटीआरआई ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया

भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद की एक घटक प्रयोगशाला सीएसआईआर–केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर ने हाल ही में अपने परिसर में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस, 2023 बुधवार, 7 जून को मनाया गया और इस वर्ष की टैगलाइन थी ''खाद्य मानक जीवन बचाएं''। इस आयोजन का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, असुरक्षित भोजन के सेवन से. दस्त जैसी खाद्य जनित बीमारियों और इसके कारण होने वाली मौतों के बारे में आबादी के बीच जागरूकता पैदा करना है। सीएसआईआर–सीएफटीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक और प्रभारी निदेशक डॉ. नवीन कुमार रस्तोगी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2023 के महत्व पर सभा को संबोधित किया।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाने के लिए सीएसआईआर–सीएफटीआरआई के खाद्य सुरक्षा विभाग और विश्लेषणात्मक गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में व्यवस्था की गई थी। वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, विद्वानों और शोध छात्रों ने खाद्य तेलों, मसाला उत्पादों, मिठाइयों, दूध, शहद आदि में मिलावट का पता लगाने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन

किया।

कार्यक्रम में ई ए–आईआरएमएस, एलसी–एमएस/एमएस, जीसी, एचपीएलसी, जीसी–एमएस/एमएस, आईसीपी–एईएस जैसे खाद्य सुरक्षा प्रयोगशालाओं द्वारा विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग प्रदर्शित किया गया। खाद्य स्वच्छता और सूक्ष्मजीव सुरक्षा पर प्रदर्शन की भी व्यवस्था की गई। खाद्य विनियमन, खाद्य लेबलिंग और पोषण लेबलिंग, खाद्य परिवर्धन और संदूषकों पर पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया जिसमें सेंट फिलोमेना कॉलेज, जेएसएस कॉलेज, ज्ञानोदय पीयू कॉलेज आदि के छात्र शामिल थे।

सीएसआईआर-आईएचबीटी ने मनाया अपना 41 वां स्थापना दिवस

सीएसआईआर–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर ने 2 जुलाई 2023 को अपना 41वां स्थापना दिवस मनाया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. परविन्दर कौशल, कुलपति, वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड ने अपने संबोधन में सीएसआईआर–आईएचबीटी के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्व विद्यालय तथा संस्थान मिलकर पुष्प खेती, सगंध फसलों, औषधीय एवं औद्योगिक महत्व की फसलों पर मिलकर कार्य करेंगे। इस संबन्ध में एक समझौता भी किया गया।

इस अवसर पर डॉ. सी. आनंद रामकृष्णन, निदेशक, सीएसआईआर–राष्ट्रीय अंतर्विषयी

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल ने 'सतत् भविष्य के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष" विषय पर स्थापना दिवस संभाषण दिया। अपने संबोधन में उन्होंने ऊर्जा, खाद्य एवं जल की उपयोगिता दर्शाते हुए इन क्षेत्रों में और अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। उन्होने, ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, 2जी एथानॉल , खाद्य सुरक्षा, पोषण, एवं ग्राहक संतुष्टि का भी उल्लेख किया। इससे पूर्व, सीएसआईआर–आईएचबीटी के निदेशक डॉ. सुदेश कुमार यादव ने संस्थान की वर्ष 2022–23 की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर–अरोमा मिशन के अंतर्गत सगंध फसलों की खेती का क्षेत्र 3000 हेक्टेयर तक बढ़ा दिया गया तथा किसानों के प्रक्षेत्रों में 17 अतिरिक्त आसवन इकाइयाँ (कुल 61 इकाइयाँ) स्थापित की गईं जिसके माध्यम से कृषक समूहों को सगंध तेल के उत्पादन में सशक्त बनाया गया। सीएसआईआर–फ्लोरीकल्चर मिशन में पुष्प खेती का क्षेत्र 250 हेक्टेयर तक विस्तारित किया गया जिससे 649 किसान लाभान्वित हुए। अपने संबोधन में उन्होंने आगे बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से देश को बहुत अधिक उम्मीद है। अतः हमारा दायित्व है कि राष्ट्र एवं विश्व की अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में प्रयासरत रहें। उन्होने जैवआर्थिकी को बढावा देने में संस्थान का सामर्थ्य तथा नए अवसरों के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर डॉ. परविन्दर कौशल, कुलपति ने संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23 का भी विमोचन किया। समारोह के दौरान संस्थान ने नगर निगम, पालमपुर तथा दक्कन हेल्थ केयर के साथ समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। इस समारोह में जिज्ञासा एवं विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय, पपरोला, केंद्रीय विद्यालय, अलहिलाल व सीनियर सैकेंडरी स्कूल, बैजनाथ के 50 छात्रों ने भाग लिया एवं प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। समारोह में स्थानीय कृषि विश्व विद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस. के. शर्मा, नगर निगम के आयुक्त श्री अशीष शर्मा, मेयर श्रीमती पूनम तथा पालमपुर के गणमान्य. लोगों ने प्रतिभागिता की। इसमें स्थानीय स्टाफ, छात्र, पूर्व कमर्चारी, उद्यमी एवं उत्पादक, तथा मीडिया के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

सीएसआईआर - भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में विश्व पर्यावरण दिवस-2023 का आयोजन

क्या एक दिन विश्व में हर ओर प्लास्टिक ही प्लास्टिक होगी?

"वास्तव में आज विश्व में हर ओर प्लास्टिक ही प्लास्टिक दिख रही है" एक तरह से दुनिया प्लास्टिक में डूब रही है। प्रत्येक वर्ष लगभग 400 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है। जिसमें से 50 प्रतिशत से अधिक एक बार उपयोग होने वाली प्लास्टिक होती है। एक अनुमान के अनुसार इसका 25 मिलियन टन प्लास्टिक झीलों, नदियों और समुद्र में पहुँचने के अतिरिक्त अपशिष्ट भरावक्षेत्र को भरता है एवं जलकर विषैला धुंआ छोड़ता है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि प्लास्टिक प्रदूषण आज पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसलिए, इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ ने बीट प्लास्टिक पल्यूशन थीम के साथ एक अभियान के अंतर्गत प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने हेतु आह्वान किया है।

पर्यावरण के संरक्षण हेतु जागरूकता एवं कार्यों को प्रोत्साहित करने हेतु संपूर्ण वैश्विक समुदाय हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाता है। सीएसआईआर–भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान(सीएसआईआर–आईआईटीआर), लखनऊ में पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्थान के दूसरे निदेशक के सम्मान में डॉ. सी. आर. कृष्णमूर्ति

स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस वर्ष श्रृंखला में यह 27वां व्याख्यान है। यह व्याख्यान डॉ. कन्नन श्रीनिवासन, निदेशक, सीएसआईआर–केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर, गुजरात द्वारा दिया गया। ''वेस्ट टू वैल्यू प्रोसेसेस एंड टेक्नोलॉजीज एंड देयर इन्फ्लुएंस ऑन एनवायरनमेंट–केस स्टडीज ऑफ सीएसआईआर–सीएसएमसीआर'' विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. श्रीनिवासन ने कहा कि विकास अपरिहार्य है, विशेषकर भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह आवश्यक है कि हम यह सुनिश्चित करें कि पर्यावरण विकास की कीमत न चुकाए। उन्होंने कहा कि भविष्य की पीढ़ी के लिए चुनौतियां उत्पन्न किए बिना वर्तमान समाधान प्रदान करने वाले सतत विकास के तरीके ही आगे बढ़ने का रास्ता है। उन्होंने कहा कि भविष्य की पीढ़ी के लिए चुनौतियां उत्पन्न किए बिना वर्तमान समाधान प्रदान करने वाले संधारणीय विकास के तरीके ही आगे बढ़ने का मार्ग हैं। प्रो. कन्नन ने अपनी प्रयोगशाला में अपशिष्ट को उपयोगी बनाने हेतु की गई पहल और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इन गतिविधियों के दूरगामी प्रभावों के बारे में अवगत कराया। डॉ. श्रीनिवासन द्वारा स्मृति व्याख्यान के दौरान जिओलाइट्स पर कार्य(डिटर्जेंट में पर्यावरण के अनुकूल बाइंडर के रूप में उपयोग होता है), परित्यक्त जल शोधन मेम्ब्रेन्स मॉड्यूल का पुनः उपयोग, इस्तेमाल की जा चुकी बैटरियों से मूल्यवान धातुओं को पुनः प्राप्त करने, डिस्टिलरी एफ्लुएंट से पोटाश(जो कि एक आयात विकल्प है) पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने व्याख्यान से यह स्पष्ट किया कि जब विज्ञान प्रौद्योगिकी में परिवर्तित हो जाता है और फील्ड में कार्य करने लगता है तो समाज के लिए समस्याओं का समाधान किस प्रकार करता है।

इस अवसर पर सम्मानित अतिथि, प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी, प्रोफेसर, आईआईटी मुंबई, जिन्हें सोलर मैन ऑफ इंडिया के रूप में जाना जाता है, ने अपने विचार साझा करते हुए वैज्ञानिकों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि यह ग्रह पहले ही 1.1 डिग्री सेंटीग्रेड गर्म हो चुका है और मानव–प्रेरित जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लोबल वार्मिंग ने गर्मी की लहरों, चक्रवात, बाढ़, सूखा एवं जंगल में आग लगने जैसी प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि की है। उन्होंने ऊर्जा की खपत को कम करने एवं एक संधारणीय तथा उत्तरदायी जीवन शैली की ओर बढ़ने के महत्व पर बल दिया।

सम्मानित अतिथि, डॉ. अजीत कुमार शासनी, निदेशक, सीएसआईआर–एनबीआरआई, लखनऊ ने अधिक पेड़ लगाने के महत्व पर बल दिया–विशेष रूप से वे पौधे जो हमारे इनडोर वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं और जिनके पास पदार्थ कणों को पकड़ने और ध्वनि प्रदूषण को अवशोषित करने हेतु कैनपीज हैं।

सीएसआईआर जिज्ञासा कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं गवर्नमेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज, जिला बाराबंकी के 40 से अधिक स्कूली छात्रों ने सीएसआईआर–आईआईटीआर में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह–2023 में वर्ल्ड क्लाइमेट क्लॉक असेम्बलिंग में भाग लिया। प्रोफेसर सोलंकी एवं निदेशक, सीएसआईआर–आईआईटीआर ने जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए स्कूल को एक घड़ी प्रदान की। डॉ. भास्कर नारायण, निदेशक, सीएसआईआर–भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में पर्यावरण मॉनीटरन एवं सुरक्षा तथा जोखिम मूल्यांकन के क्षेत्रों में सीएसआईआर–आईआईटीआर द्वारा किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभा को अवगत कराया कि यह बहु–विषयक अनुसंधान संस्थान राष्ट्र सेवा की आधी सदी से भी अधिक समय में अपने आदर्श वाक्यः ''पर्यावरण एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा उद्योग की सेवा" के साथ मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण हेतु संकटपूर्ण समस्याओं का समाधान करता रहा है।

समारोह के दौरान संस्थान द्वारा लखनऊ शहर की परिवेशी वायु गुणवत्ता के प्री मानसून आकलन की वार्षिक रिपोर्ट भी जारी किया। समारोह के एक भाग के रूप में बच्चों हेतु आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं की घोषणा भी की गई।

समारोह के अंत में डॉ. कैलाश चंद्र खुल्बे, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर–आईआईटीआर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएसआईआर-सीरी में स्वच्छता पखवाड़ा-2023 का आयोजन

भारत सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय तथा सीएसआईआर मुख्यालय से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार सीएसआईआर –केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान में दिनांक 1 से 15 मई, 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इस अवधि के दौरान संस्थान के विभिन्न प्रभागों/प्रयोगशालाओं/अनुभागों एवं कार्यालय परिसर के अन्य स्थानों पर गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया। निदेशक, सीएसआईआर–सीरी द्वारा डॉ. पंकज भूषण अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक की अध्यक्षता में गठित समिति ने संस्थान के स्वच्छता कर्मियों एवं अन्य सहकर्मियों के सहयोग से संस्थान एवं कॉलोनी परिसर में स्वच्छता संबंधी कार्य किया। इस दौरान कुछ अनुभागों/प्रभागों ने पुराने एवं अनावश्यक स्टेशनरी की छँटाई (Weeding out) के साथ–साथ खराब एवं अनुपयोगी सामान के निपटान संबंधी कार्रवाई भी की।

स्वच्छता पखवाड़े का शुभांरभ 2 मई, 2023 को स्वच्छता शपथ के साथ किया गया। इस अवसर पर डॉ. अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने सभी सहकर्मियों को स्वच्छता संबंधी शपथ दिलाई। संस्थान के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों व अन्य सहकर्मियों के साथ–साथ अस्थायी सहकर्मी भी उपस्थित थे।

अपने संक्षिप्त संबोधन में डॉ. अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने कहा कि अपने कार्यस्थल और कॉलोनी की स्वच्छता हमारा परम दायित्व है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हम सभी न केवल इस अवधि अपितु इसके बाद भी इस अभियान को जारी रखते हुए संस्थान परिसर के साथ–साथ अपनी कॉलोनी एवं आस–पास के क्षेत्रों को भी साफ–सुथरा रखेंगे। इस अवसर पर संस्थान के प्रशासन नियंत्रक श्री जयशंकर शरण ने सभी सहकर्मियों से आग्रह किया कि वे भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान में अपना यथासंभव योगदान दें और स्वच्छता पखवाड़ा 2023 के दौरान संस्थान की स्वच्छता गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर भाग लें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान के स्वच्छता नोडल अधिकारी श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी ने सप्ताह पर्यन्त आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी।

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान 5 मई, 2023 को बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में सार्वजनिक अवकाश के दिन सहकर्मियों ने स्वच्छता पखवाड़ा समिति के कॉलोनी परिसर में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता कार्य हेतु श्रमदान किया। इसके अलावा 7 मई, 2023 (रविवार) को चिह्नित स्थल पर उद्यान अनुभाग के सहयोग से पौधारोपण किया।

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान दिनांक 11 मई, 2023 को अप. 4 बजे स्वच्छता ओपन क्विज आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों से स्वच्छता एवं अन्य सामान्य ज्ञान संबंधी विषयों पर प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न स्वरूप अच्छी गुणवत्ता का पेन भेंट किया गया। क्विज का संचालन डॉ. आनंद अभिषेक, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया। डॉ. टी ईश्वर, श्री रंजन कुमार मौर्य (वरिष्ठ वैज्ञानिक) एवं श्री आशीष रंजन (पीएचडी छात्र) ने क्विज आयोजन में सहयोग किया।

स्वच्छता संबंधी केंद्रीय विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी सहकर्मियों से गूगल फार्म के माध्यम से ऑनलाइन नारे (स्लोगन) आमंत्रित किए गए थे। प्रतियोगिता में कुल 67 नारे/स्लोगन प्राप्त हुए।

संस्थान में दिनांक 15 से 19 मई, 2023 के दौरान आयोजित किए गए एक सप्ताह–एक प्रयोगशाला (वन वीक–वन लैब) कार्यक्रम एवं अन्य व्यस्तताओं आदि अपरिहार्य कारणों से स्वच्छता पखवाड़ा 2023 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 30 जून, 2023 को आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. पी सी पंचारिया ने की। समापन समारोह में नारा लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र भेंट किए। इसके अलावा स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन समिति

के सदस्यों को संस्थान के स्वच्छता अभियान में महत्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका निभाने के लिए निदेशक महोदय ने प्रमाणपत्र भेंट किए।

इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. पंचारिया ने स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन समिति और स्वच्छता कर्मियों की मुक्त कंठ से सराहना की। स्वच्छ भारत अभियान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने सरकार की इस पहल में देश के नागरिकों के योगदान की सराहना की। स्वच्छता और स्वास्थ्य के संबंध पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बाहरी स्वच्छता के साथ आंतरिक (नैतिक) रूप से भी स्वस्थ होना भी जरूरी है। डॉ. पंचारिया ने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास में स्वच्छता का अहम योगदान है। उन्होंने विदेशों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अपने देश, समाज और संस्थान की स्वच्छता हम सभी का नैतिक दायित्व है, हमें इसके लिए किसी दूसरे व्यक्ति की प्रतीक्षा न करते हुए स्वयं आगे बढ़कर अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थान एवं कॉलोनी परिसर की स्वच्छता भी हमारा संयुक्त दायित्व है। प्रशासन नियंत्रक के सक्रिय सहयोग की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान परिसर में भी स्वच्छता अभियान का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्थान परिसर में सभी सहकर्मियों और स्वच्छता टीम के सहयोग से यह अभियान अनवरत रूप से जारी रहेगा। संबोधन के अंत में उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन समिति के सदस्यों और की सक्रिय सहभागिता के लिए प्रशंसा की तथा सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी।

स्वच्छता पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ पंचारिया ने विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक महोदय ने संस्थान एवं कॉलोनी परिसर में स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशासन नियंत्रक श्री जय शंकर शरण को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इससे पूर्व स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. पंकज भूषण अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए निदेशक महोदय के मार्गदर्शन और सभी सहकर्मियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए महत्वपूर्ण अभियानों में से एक है।

उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों के सम्मिलित प्रयासों से इसके सकारात्मक प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

NISCPR
सीएसआईआर–निस्पर

संपादक : अनिल कुमार श्रीवास्तव, सहायक संपादक : मीनाक्षी गौड़, प्रोडक्शन : अश्वनी कुमार ब्राह्मी

फोन : 25841769, 25846304–7/371; फैक्स : 25847062; ईमेल : csirsamachar@niscpr.res.in;

वेबसाइट : http://www.niscpr.res.in

बिक्री एवं वितरण अधिकारी, निस्पर; ईमेल : sales@niscpr.res.in; फोन : 011-25843359

वार्षिक सदस्यताः ₹ 500/– एक अंकः ₹ 50/–

प्रकाशक एवं मुद्रक श्री मुकेश अम्बादास पुंड द्वारा स्वामी राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (निस्पर) डॉ. के.एस. कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली–110012 से प्रकाशित एवं मुद्रित

DELHIN / 2013/52141